

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 19, 1985 (आश्विन 27, 1907)
No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 19, 1985 (ASVINA 27, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

	पृष्ठ		पृष्ठ
भाग I—खण्ड-1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	769	भाग II—खण्ड 3—उप-खंड(iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग I—खण्ड-2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1301	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सांख्यिक नियम और आदेश	*
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबन्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	351 63
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1453	भाग III—खंड 2—पेटेंट कार्यालय, कमरुता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	233
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन बचवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	*
भाग II—खण्ड-1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं आदेश, बिज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1857
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर सभितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा बिज्ञापन और नोटिस	175
भाग II—खंड-3-उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के अॉदों को दिखाने वाला अनुपूरक	*
भाग II—खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	769	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	1301	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence		PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	35163
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1453	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	733
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations		PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1857
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	175
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

सं० 103-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्ति को सर्वोत्कृष्ट वीरता के लिए "अशोक चक्र" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :-

9920311 लांस हवलदार छेरिंग मुतुप, लद्दाख स्काउट्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 21 फरवरी, 1985)

लांस हवलदार छेरिंग मुतुप को जम्मू-कश्मीर के एक अधिम क्षेत्र में एक बहुत ही कठिन काम सौंपा गया था। वह क्षेत्र बहुत अधिक ऊंचाई पर था और वहां पर तेज हवाओं, भारी हिमपात तथा बर्फानी तूफानों की परवाह किए बगैर लांस हवलदार छेरिंग मुतुप बड़ी बहादुरी के साथ अपने गणनी दल का नेतृत्व करते रहे और अंततः सौंपे गए काम को पूरा करने में सफल हुए। इस प्रकार इन्होंने असाधारण साहस, भारी पहलशक्ति और सूक्ष्म का परिचय दिया।

इस प्रकार लांस हवलदार छेरिंग मुतुप ने अति असाधारण कौटि की वीरता, अनुकरणीय साहस और उच्चकौटि की असाधारण कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

सं० 104-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उत्कृष्ट वीरता के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :-

1. लेफ्टिनेंट कर्नल सत्य स्वरूप शर्मा (आई सी-16529), इंजीनियर्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 1 मार्च, 1984)

अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर्स), डिघो, पुणे के लेफ्टिनेंट कर्नल सत्य स्वरूप शर्मा, स्वेच्छा से तीसरे अंटार्कटिक अभियान दल में शामिल हुए और 1 मार्च, 1984, से 15 फरवरी, 1985, की अवधि के बीच अंटार्कटिक में भारतीय अनुसंधान केन्द्र (वर्धन गंगोत्री) में पहली बार शीत-श्रुत में काम करने वाले दल के नेता चुने गए। यह पहला अवसर था जब भारतीय अभियान दल पूरी शीतश्रुत में अंटार्कटिक में रहा जहाँ तापमान शून्य से 50 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ जाता है और 300 कि० मी० प्रति घंटे तक की रफतार से बर्फानी तूफान चलते रहते हैं। इस दौरान तीन मौके ऐसे आए जब बर्फानी तूफान के भयंकर घेड़ों के कारण वहाँ रह रहे प्राणियों का अस्तित्व भी समाप्त हो रहा था। दल के अनुसंधान केन्द्र की छत, विमान की इन्ट और जनरेटर फ्यूल लाइनों को काफी क्षति पहुँच चुकी थी और इनकी तुरन्त मरम्मत करना बहुत जरूरी था। ऐसे अवसर पर इन्होंने जिस बहादुरी और साहस का परिचय दिया वह बहुत अद्वितीय कौटि का था। इन्होंने अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह नहीं की और जमा देने वाले बर्फानी तूफान से जूझते हुए समय पर मरम्मत कार्य पूरा करके अपने दल की जीवन रक्षा की। इसमें इन्हें चोटें आईं, हिम दंश हुआ लेकिन इन्होंने उसकी परवाह नहीं की और पूरी लगन और दृढ़ता के साथ प्रकृति के उन प्रहारों का सफलतापूर्वक सामना किया।

इस प्रकार लेफ्टिनेंट कर्नल सत्य स्वरूप शर्मा ने उत्कृष्ट साहस, नेतृत्व, पहलशक्ति और उच्चकौटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. कैप्टन अनूप कुमार चंडोक (आई० सी-38428), जम्मू तथा कश्मीर राइफल।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 21 फरवरी, 1985)

कैप्टन अनूप कुमार चंडोक ने बहुत अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में तेज हवाओं, भारी हिमपात और बर्फानी तूफान के बीच अपने दल का नेतृत्व किया और जम्मू तथा कश्मीर के एक बुगंध क्षेत्र में जो बहुत कठिन काम इन्हें सौंपा गया था उसे पूरा कर दिखाया। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना बहुत बहादुरी के साथ प्रकृति के तीखे प्रहारों का सामना करते हुए इन्होंने अपने दल का हौसला बढ़ाया और गहरी संकरी घाटियों, गहरे दूर तक फैले ग्लेशियरों और बर्फ की दीवारों को पार किया। हिमदंश से बायस होने के कारण इन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने की कोशिश की जा रही थी परन्तु इन्होंने काम पूरा होने तक वहाँ से हटने से इंकार कर दिया। उस हिमदंश के कारण बाद में इनकी एक टांग को काट देना पड़ा।

इस प्रकार कैप्टन अनूप कुमार चंडोक ने उत्कृष्ट साहस, पहलशक्ति, नेतृत्व और उच्चकौटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

सं० 105-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को वीरता के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :-

1. मेजर मेहर सिंह दहिया (आई सी-27788), (जाट लाइट इन्फैंट्री)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 21 फरवरी, 1985)

मेजर मेहर सिंह दहिया एक बहुत ऊंचाई वाले इलाके में ठंड से जमा देने वाली तेज हवाओं के बीच और शून्य से 32 डिग्री नीचे के तापमान में अपने एक छोटे से गणनी दल के साथ एक बहुत ही बुगंध भूभाग में एक कठिन कार्य को पूरा करने के लिए पूरी रात भर चलते रहे। अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए ये अपने साथियों को प्रोत्साहित करते रहे और अंततः जम्मू तथा कश्मीर के एक अधिम क्षेत्र में सौंपे गए कार्य को पूरा करने में सफल हुए।

इस प्रकार मेजर मेहर सिंह दहिया ने अनुकरणीय साहस, बुद्धि-संकल्प, प्रेरक नेतृत्व और उच्चकौटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. 9922144 सिपाही नवांग योनतान (लद्दाख स्काउट)।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 21 फरवरी, 1985)

बहुत ऊंचाई वाले इलाके में ठंड से जमा देने वाली तेज हवाओं, भारी हिमपात और बर्फानी तूफान के बीच एक बहुत ही कठिन काम को पूरा करने में सिपाही नवांग योनतान ने असाधारण साहस और बुद्धि-संकल्प का परिचय दिया। अपनी सुरक्षा की परवाह न कर इन्होंने सौंपे गए उस कठिन कार्य को सफलता से पूरा करने में बहुत बड़ा योगदान दिया।

इस प्रकार सिपाही नवांग योनतान ने पहलशक्ति, बुद्धि-संकल्प, साहस और उच्चकौटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

सं० 106-प्रेज/85--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को भ्रसाधारण कर्तव्य पराजयता या साहस के लिए "सेना मंडल"/"ग्रामी मंडल" प्रदान करने का सहर्ष अनुमोदन करते हैं :--

1. जे० सी० 77531 सुबेदार अब्दुल कादिर, लद्दाख स्काउट ।
2. 9921719 हवलदार छेरिंग घंगचोक, लद्दाख स्काउट ।

मु० नीलकण्ठ,
राष्ट्रपति का उप सचिव

योजना आयोग

(सामाजिक-आर्थिक अनुसंधान एकक)

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1985

संकल्प

सं०ओ०-15011/1/82-सा० आ० अ०—योजना आयोग की दिनांक 6-8-1982 की संकल्प सं० ओ०-15011/1/80-सा० आ० अ० और उसमें अनुवर्ती संशोधन के संदर्भ में ।

योजना आयोग ने योजना से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी सलाह देने के लिए 1982 में स्थापित की गई समिति (अनुसंधान सलाहकार समिति) का दिनांक 6-8-1985 से पुनर्गठन करने का निर्णय किया है । इसका गठन और विचारार्थ विषय नीचे दिए गए हैं :--

गठन

अध्यक्ष

1. प्रो० एम० चक्रवर्ती, योजना आयोग ।

सदस्य

2. डा० सी० एच० हनुमन्त राव, सदस्य, योजना आयोग ।
3. डा० राजा जे० चेलय्या, सदस्य, योजना आयोग ।
4. डा० ए० खुसरो, अध्यक्ष, राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, विशेष संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-110067
5. डा० सी० रंगारोजन, उप राज्यपाल, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई
6. डा० वाई० के० अलष, अध्यक्ष, औद्योगिक लागत और कीमत ब्यूरो, लोकनायक भवन, नई दिल्ली-110003
7. डा० के० कृष्णामूर्ति, निदेशक, आर्थिक संवृद्धि संस्थान, विश्व-विद्यालय एनक्लेव, दिल्ली-7
8. प्रो० हनुमान नारायण, सदस्य भविष्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, 35 फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली ।
9. डा० ए० वागशी, निदेशक, राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, विशेष संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली-110067
10. डा० ए० वैद्यनाथन, प्रोफेसर, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, अदयार, मद्रास-600020
11. डा० प्रवीण बिसानिया, निदेशक, गुजरात क्षेत्र योजना संस्थान, प्रीतम राज मार्ग, अहमदाबाद-380006
12. डा० एस० पी० गुप्त, सलाहकार (भावी योजना) योजना आयोग ।
13. डा० पी० सी० ओशी, सलाहकार, (अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र) योजना आयोग ।
14. डा० (श्रीमती) आर० तामराजशी, सलाहकार (श्रम, रोजगार और जमशक्ति) योजना आयोग ।
15. डा० पी० डी० मुखर्जी, सलाहकार (वित्तीय संसाधन) योजना आयोग
16. डा० एस० के० गोविंद, परामर्शदाता (वित्तीय संसाधन) योजना आयोग

सदस्य सचिव

17. डा० बी० जी० भाटिया, सलाहकार (मुद्रा नीति और विकास), योजना आयोग ।
विचारार्थ विषय

- (1) योजना के लिए आवश्यक अनुसंधान के क्षेत्रों का निर्धारण करना, उन क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए विद्वानों और संस्थाओं का निर्धारण करना, उपयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं तैयार करवाना और योजना आयोग द्वारा वित्त व्यवस्था करने के लिए अनुमोदन के लिए उनकी जांच करना;
- (2) योजना से संबंधित क्षेत्रों में संस्थाओं/विद्वानों से स्वयं प्राप्त अनुसंधान अध्ययन प्रस्तावों की जांच करना; और योजना आयोग द्वारा वित्त व्यवस्था करने के लिए उनकी उपयुक्तता के बारे में सलाह देना;
- (3) योजना आयोग से आवर्ती सामान्य अनुदानों द्वारा विभिन्न अनुसंधान संस्थाओं में वित्त व्यवस्था किए जाने वाले अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में सलाह देना, अर्थात् आर्थिक संवृद्धि संस्थान, दिल्ली, गोबर्ले राजनीति और अर्थशास्त्र संस्थान, पुणे और अर्थ-शास्त्र विभाग, बम्बई विश्वविद्यालय, बम्बई में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में सलाह देना;
- (4) योजना आयोग की वित्तीय सहायता से विभिन्न अनुसंधान संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण और अनुसंधान-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में सलाह देना;
- (5) जनसाधन अनुसंधान संस्थान के अनुसंधान कार्यक्रम पर इस दृष्टि से विचार करना कि उसे योजना आयोग द्वारा प्रायोजित अन्य अनुसंधान अध्ययनों के साथ संबद्ध किया जा सके;
- (6) योजना आयोग की वित्तीय सहायता से प्रकाशन के लिए पूरे किए गए अध्ययनों की उपयुक्तता के बारे में सलाह देना;
- (7) निर्धारित की गई विकास समस्याओं पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित की जाने वाली संगोष्ठियों की पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से वित्त-व्यवस्था करने की उपयुक्तता के बारे में सलाह देना; और
- (8) उपर्युक्त कार्यों को करने के लिए संगत या प्रासंगिक किसी अन्य विषय के बारे में सलाह देना ।

2. यह समिति अध्यक्ष के निर्णय के अनुसार जितनी बार चाहे उतनी बार बैठकें कर सकती है ।

3. योजना आयोग का सामाजिक-आर्थिक अनुसंधान एकक इस समिति के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा ।

4. इस समिति के गैर-सरकारी सदस्य इस समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार के ग्रेड-1 अधिकारियों की स्वीकार्य यात्रा और दैनिक भत्ते पाने के हकदार होंगे, जिसका भुगतान योजना आयोग द्वारा किया जाएगा ।

5. यदि सरकार द्वारा अथवा अधिसूचित न किया जाए तो इस समिति का कार्यकाल 8 वर्ष जो 5-6-1988 को समाप्त होगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए और इसे आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

के० सी० अग्रवाल, निदेशक (प्रशासन)

संसदीय कार्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1985

संकल्प

सं० फा० 4(1)/85-हिन्दी—इस मंत्रालय के दिनांक 4 सितम्बर, 1985 के समसंख्यक संकल्प के आंशिक आशोधन में, संसदीय कार्य राज्य मंत्री, श्री सीता राम केमरी, संसदीय कार्य मंत्रालय की हिन्दी मलाहकार समिति के, श्रीमती मारग्रेट आल्वा, संसदीय कार्य राज्य मंत्री के स्थान पर, उपाध्यक्ष होंगे।

देवराज तिवारी, उप सचिव

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

संकल्प

सं० जे-13013/1/85-सामान्य—पेट्रोलियम मंत्रालय के लिए वैज्ञानिक मलाहकार समिति की वर्तमान अवधि की समाप्ति पर इसका निम्न प्रकार पुनर्गठन किया गया है :—

1. प्रो० एम० एम० शर्मा, अध्यक्ष
रसायन इंजीनियरिंग के प्राध्यापक,
बम्बई विश्वविद्यालय,
रसायन प्रौद्योगिकी विभाग,
माटुंगा रोड, बम्बई-400019
2. डा० एम० बरदराजन, सदस्य
महानिदेशक एवं सचिव,
भारत सरकार,
वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद,
नई दिल्ली।
3. डा० एन० के० बुरैस्वामी, "
निदेशक,
राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला,
पुणे।
4. श्री के० एन० वेंकटसूब्रह्मण्यन, "
विशेष कार्य अधिकारी (आर० एण्ड डी०)
इंडियन पेट्रो-केमिकल्स कॉर्पोरेशन लि०
बड़ौदा।
5. डा० आई० बी० गुलाटी, निदेशक, "
भारतीय पेट्रोलियम संस्थान,
वेहराटन।
6. डा० एच० एम० राव, "
प्रबन्ध निदेशक,
नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन आफ इंडिया,
नई दिल्ली।
7. डा० ए० बी० रामा राव, निदेशक, "
क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला,
हैदराबाद।
8. श्री एम० रामास्वामी, "
उप-महानिदेशक,
डी० जी० टी० डी०, नई दिल्ली।
9. डा० जे० एन० बह्रा, निदेशक, "
क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला,
जोरहट।

10. डा० ए० पी० कुडवाड़कर, डीन, सदस्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पोवाय,
बम्बई-400076
11. प्रो० गोवर्धन महुता, "
स्कूल आफ केमिस्ट्री,
हैदराबाद विश्वविद्यालय,
केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
पोस्ट आफिस, हैदराबाद-500134
12. डा० पी० के० सुखोपाध्याय, "
निदेशक,
इंडियन फ्रायल कॉर्पोरेशन,
(आर० एण्ड डी० केन्द्र),
फरीदाबाद।
13. श्री के० पी० गोयल, "
महाप्रबंधक,
पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ,
नई दिल्ली।
14. डा० आर० कृष्णामूर्ति, "
प्रबंधक,
इंजीनियर्स इंडिया लि०,
नई दिल्ली।
15. मलाहकार (रसायन), "
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय,
नई दिल्ली।

2. पेट्रोलियम मंत्रालय में सचिव, संयुक्त सचिवों और मलाहकारों को समिति की बैठकों में स्थायी रूप से आमंत्रित किया जाएगा। अध्यक्ष, समिति की बैठक में भाग लेने के लिए अथवा समिति को सहायता देने के लिए किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) को भी आमंत्रित कर सकता है।

3. समिति के संबंधित विषय निम्नलिखित होंगे :—

"विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी सम्बन्धी नीतियों पर और उन्हें ईंधनों और रसायनों के रूप में हाइड्रोकार्बन कच्चे तेल के अधिकतम संसाधन को सुनिश्चित करने की दृष्टि से कार्यान्वित करने के उपायों पर मलाह देना।"

4. समिति का कार्यकाल इस संकल्प के जारी होने की तिथि से 2 वर्षों की अवधि के लिए होगा। समिति की बैठक आवश्यकतानुसार होंगी। परन्तु कम से कम सिमाही में एक बार होगी। और यह पेट्रोलियम मंत्रालय में सरकार को समय-समय पर उपयुक्त सिफारिशें करेगी।

5. समिति के लिए आवश्यक सचिवालय सहायता पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा दी जायेगी।

6. समिति के सदस्यों को किसी प्रकार का पारिश्रमिक नहीं दिया जायेगा। तथापि गैर-सरकारी सदस्यों के यात्रा भत्ते/महंगाई भत्ते पर होने वाला खर्च भारत सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। सरकारी अधिकारियों/केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रतिनिधियों पर होने वाला यात्रा भत्ते/महंगाई भत्ते का खर्चा सम्बन्धित विभाग/उपक्रम द्वारा वहन किया जाएगा। समिति पर होने वाला खर्चा तेल उद्योग विकास बोर्ड द्वारा वहन किया जायेगा।

प्रावेश

प्रावेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, संघ शासित प्रदेश के प्रशासनों, लोक सभा, राज्य सभा सचिवालयों और भारत सरकार के सम्बन्धित मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

टी० एन० आर० राव, संयुक्त सचिव

औद्योगिक विकास विभाग
तकनीकी विकास महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1985

संकल्प

सं० रेफ/4(4)/83/खण्ड 4—भारत सरकार ने 22 सितम्बर, 1983 को रिफ़ैक्टरी उद्योग के लिए एक विकास नामिका का गठन किया था। यह नामिका 2 वर्ष की अवधि के लिए थी। विभिन्न उप-समितियों की सिफारिशों पर आधारित अपनी रिपोर्ट को पूरा करने के उद्देश्य से, सरकार ने इस नामिका की अवधि को 31 मार्च, 1986 तक बढ़ाने का निर्णय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी सम्बन्धितों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० गंजवाल, निदेशक (प्रशासन)

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 सितम्बर 1985

आदेश

सं० 27/9/85-सी० एल०-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उप-धारा (1) के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री उसम चन्द नहाड़ा, उप निदेशक, निरीक्षण को कम्पनी कार्य विभाग में कथित धारा 209-क के उद्देश्यों के लिये प्राधिकृत करती है।

जी० वेंकटरमणी, अवर सचिव

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय

कृषि एवं सहकारिता विभाग,

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1985]

सं० 18-6/85-एल० डी०-1—भारतीय डेरी निगम की संघ नियमावली के अनुच्छेद 15(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति महोदय ने निम्नानुसार भारतीय डेरी निगम के वर्तमान निदेशक बोर्ड की कार्यकाल अवधि दिनांक 30-6-1986 तक सहर्ष बढ़ा दी है:—

- 1 डा० बी० कुरियन, अध्यक्ष
अध्यक्ष,
भारतीय डेरी निगम,
बड़ौदा।
- 2 श्री जी० एम० झाला, सदस्य
प्रबंध निदेशक,
भारतीय डेरी निगम,
बड़ौदा।
- 3 श्री बी० एच० शाह, सदस्य
प्रबंध निदेशक,
कैरा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक युनि० लि०,
आणंद।
- 4 श्री बी० एस० मराव, सदस्य
अपर सचिव,
कृषि एवं सहकारिता विभाग,
नई दिल्ली।

5 श्री एम० वार्ड० प्रिओलकर, सदस्य
वित्तीय सलाहकार,
कृषि एवं सहकारिता विभाग,
नई दिल्ली।

6 डा० प्रो० एन० सिंह, सदस्य
पशुपालन आयुक्त,
कृषि एवं सहकारिता विभाग,
नई दिल्ली।

7 डा० आर० पी० अनेजा, सदस्य
सचिव,
राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड,
आणंद।

आर० के० राय चौधुरी, निदेशक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1985

(पुरातत्व)

सं० 32/10/84-स्मारक—भारत सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संकल्प सं० 32/10/84-स्मा०, दिनांक 20-4-1985 के अनुसरण में, राज्य मन्त्री/लोक सभा द्वारा चुने गए संस्थाओं/राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों/अध्यक्ष द्वारा, विश्वविद्यालयों/भारत सरकार से प्राप्त सिफारिशों में से नामजद, जैसी भी स्थिति हो, निम्नलिखित व्यक्तियों को केन्द्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है:—

1 संसद द्वारा चुने गए सदस्य

I श्री गुलाम रसूल, संसद सदस्य (राज्य मन्त्री)
13, कनिंग लेन,
नई दिल्ली

(i) श्री आर० पी० गायकवाड़, संसद सदस्य (लोक सभा)
7, सफवरजंग लेन,
नई दिल्ली

(ii) श्री जैनुल बाशेर, संसद सदस्य (लोक सभा)
68, साऊथ एवेन्यू,
नई दिल्ली

II. भारतीय इतिहास कांग्रेस का नामजद

प्रो० आर० एस० शर्मा,
22, केवेलरी लाईंस,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-110007

III. अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन

प्रो० आर० एन० देहेकर,
महासचिव, अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन,
अण्डाकर प्राच्य अनुसंधान संस्थान, पुणे

IV. एशियाटिक सोसायटी का नामजद

डा० अन्वय राय चौधुरी,
एशियाटिक सोसायटी, कलकत्ता

V. भारतीय पुरातत्व सोसायटी का नामजद

डा० डी० पी० अग्रवाल,
शारीरिक अनुसंधान प्रयोगशाला नबरंगपुरा,
अहमदाबाद

VI. भारतीय ऐतिहासिक परिवर्तन का नामजद

अध्यक्ष,
भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद
जे-22, हीजबास,
नई दिल्ली।

VII. भारतीय विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि

- (i) डा० यू० बी० सिंह,
प्रोफेसर, प्राचीन भारतीय इतिहास,
संस्कृति और पुरातत्व विभाग,
कुम्भकोट विश्वविद्यालय,
कुम्भकोट।
- (ii) डा० एम० के० धावलीकर,
पुरातत्व के प्राध्यापक,
दक्कन कालेज,
स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान संस्थान,
पुणे-411006
- (iii) डा० के० बी० रमन,
प्रोफेसर तथा अध्यक्ष,
प्राचीन इतिहास और पुरातत्व विभाग,
मद्रास विश्वविद्यालय,
मद्रास-500005
- (iv) प्रो० के० के० सिन्हा
पुरातत्व के प्राध्यापक,
धनारस हिन्दू विश्वविद्यालय,
वाराणसी-22005
- (v) प्रो० रोमिला थापर,
ऐतिहासिक अध्ययन केंद्र,
सामाजिक विज्ञान विद्यालय,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली।

VIII. राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रतिनिधि

- (i) पुरातत्व और संग्रहालय निदेशक,
आंध्र प्रदेश सरकार,
हैदराबाद।
- (ii) श्री जी० एन० भुयान,
पुरातत्व और राज्य संग्रहालय निदेशक,
असम सरकार,
गोहाटी।
- (iii) डा० सीता राम राय,
पुरातत्व और संग्रहालय निदेशक,
बिहार सरकार,
पटना।
- (iv) पुरातत्व निदेशक,
गुजरात सरकार,
अहमदाबाद।
- (v) पुरातत्व निदेशक,
हरियाणा सरकार,
चंडीगढ़।
- (vi) श्री एस० एन० जोशी,
निदेशक, भाषा और संस्कृति,
हिमाचल प्रदेश सरकार,
शिमला।

- (vii) श्री पीरजादा अली मोहम्मद,
अभिलेखाकार, पुस्तकालय और संग्रहालय निदेशक,
जम्मू और कश्मीर सरकार,
श्रीनगर।
- (viii) पुरातत्व और संग्रहालय निदेशक,
कर्नाटक सरकार,
बंगलूर।
- (ix) डा० के० महेश्वरन सैय्यर, पुरातत्व निदेशक
केरल सरकार,
त्रिवेन्द्रम।
- (x) पुरातत्व और संग्रहालय निदेशक,
मध्य प्रदेश सरकार,
भोपाल।
- (xi) श्री ए० पी० जमखंदकर,
पुरातत्व और संग्रहालय निदेशक,
महाराष्ट्र सरकार,
बम्बई।
- (xii) सचिव,
शिक्षा विभाग,
मणिपुर सरकार,
इम्फाल।
- (xiii) उप लोक शिक्षा निदेशक,
संग्रहालय और अभिलेखाकार प्रभारी,
मेघालय सरकार,
शिलांग।
- (xiv) श्री एस० अलेक्सीका भाव,
संयुक्त कला और संस्कृति निदेशक,
नागालैंड सरकार,
कोहिमा।
- (xv) श्री डी० एस० त्रिपाठी,
संस्कृति निदेशक,
उड़ीसा सरकार,
भुवनेश्वर।
- (xvi) श्रीमती गीतिका कल्हा,
पुरातत्व निदेशक,
पंजाब सरकार,
चंडीगढ़।
- (xvii) श्री पी० एस० अन्नवर्ती,
पुरातत्व और संग्रहालय निदेशक,
राजस्थान सरकार,
जयपुर।
- (xviii) श्री के० सुपदेन,
सचिव,
सांस्कृतिक कार्य विभाग,
सिक्किम सरकार,
गंगटोक।
- (xix) पुरातत्व निदेशक,
तमिलनाडु सरकार,
मद्रास।
- (xx) सचिव,
शिक्षा विभाग,
त्रिपुरा सरकार,
अगरतला।

- (xxi) श्री डी० पी० सिन्हा,
निदेशक, सांस्कृतिक कार्य
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ ।
- (xxii) पुरातत्व निदेशक,
पश्चिम बंगाल सरकार,
33, बिनरंजन एवेन्यू ।
कलकत्ता ।
- (xxiii) श्री आर० एम० चारी,
सचिव (शिक्षा),
ग्रंथमाला और निकोबार प्रशासन,
पोर्ट ब्लेयर ।
- (xxiv) डा० डी० के० बोरा, सचिव अनुसंधान
अरुणाचल प्रदेश सरकार,
ईटानगर ।
- (xxv) श्री के० डी० सिंह,
उप वन संरक्षक,
दादरा और नागर हवेली प्रशासन,
सिलवासा ।
- (xxvi) निदेशक (पुरातत्व),
दिल्ली प्रशासन,
पुराना सचिवालय, स्टीफन कॉलेज बिल्डिंग,
कश्मीरी गेट,
दिल्ली-110008 ।
- (xxvii) श्री बी० बी० भाट,
अभिलेखकार, पुरातत्व और संग्रहालय प्रभारी,
गोवा, वमन और पीब सरकार,
पणजी ।
- (xxviii) मुख्य प्रशासक,
लक्षद्वीप प्रशासन,
कवारत्ती ।
- (xxix) सचिव, शिक्षा विभाग,
मिजोरम सरकार,
आईजावल ।
- (xxx) श्री एक० सिरिल एंटीनी,
संग्रहाध्यक्ष,
पांडिचेरी संग्रहालय,
पांडिचेरी ।
- (xxxi) श्री बी० एन० सिंह,
संग्रहालय और कलाबीधि निदेशक,
चंडीगढ़ प्रशासन, सेक्टर 10, चंडीगढ़ ।

IX. वैज्ञानिक :—

- (i) डा० बी० डी० लाज,
47, सुभाष मार्ग,
देहरादून ।
- (ii) डा० बिष्णु मिश्रा,
बीम्बल माहूनी वनस्पति फार्मिल विज्ञान संस्थान,
53, विश्वविद्यालय मार्ग,
पोस्ट ब्रान्स सं० 106,
लखनऊ ।

X. केन्द्रीय सरकार के नामजब :—

- (i) प्रो० के० एस० बहुरा,
कला इतिहासकार,
उत्कल विश्वविद्यालय,
भुवनेश्वर ।
- (ii) डा० एस० बी० देव,
द्वारा दक्कन कॉलेज,
स्नातकोत्तर और अनुसंधान संस्थान,
पुणे-411006 ।
- (iii) डा० जेड० ए० देसाई,
पुरालेखशास्त्री,
14, खरपोब पार्क,
सरखेज रोड,
महमदाबाद-383055 ।
- (iv) प्रो० जी० आर० शर्मा,
71, दिलकुशा,
इलाहाबाद ।
- (v) प्रो० ए० सागराजु,
इतिहास और पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष,
केन्द्रीय हैदराबाद विश्वविद्यालय,
"गोल्डन ओशोल्ड", नामपाली,
8वां मार्ग,
हैदराबाद ।

डा० एस० एस० नाग

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 30 अगस्त 1985

संकल्प

सं० ई-11017/11/83-हिन्दी—इस मंत्रालय के दिनांक 17 नवम्बर, 1984 के संकल्प संख्या ई-11017/11/83-हिन्दी (भारत के राजपत्र के भाग-I खण्ड 1 में सा० का० नि० सं० 10 में दिनांक 9-3-85 को प्रकाशित) में निम्नलिखित को एक टिप्पणी के रूप में जड़ा हुआ मसला जाय :—

"टिप्पणी : (i) पुरस्कार वर्ष क्रमशः 1984-86, 1986-88, 1988-90 और ऐसे ही आगे चलते रहेंगे ।

(ii) किसी पुरस्कार वर्ष के दौरान विचारार्थ पाठ्य पुस्तकें अनुवर्ती वित्तीय वर्ष के 30 अंत तक स्वीकार की जायेंगी । (उदाहरणार्थ—पुरस्कार वर्ष 1984-86 के लिए विचारार्थ पाठ्य पुस्तकें 30 जून, 1986 तक स्वीकार की जायेंगी) इसके बाव प्राप्त होने वाली पुस्तकों पर पुरस्कार के लिए विचार नहीं किया जाएगा ।

(iii) केवल संबंधित पुरस्कार वर्ष के दौरान लिखी/अनुवर्तित/प्रकाशित पुस्तकों को ही विचारार्थ स्वीकार किया जाएगा" ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक प्रति राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक/राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि जन साधारण की सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

बी० एम० गुप्ता, उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 7th October 1985

No. 103-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of "ASHOKA CHAKRA" to the following person for acts of bravery of the highest order :—

9920311 LANCE HAVILDAR CHHERING MUTUP, LADAKH SCOUTS.

(Effective date of the award : 21st February, 1985)

Lance Havildar Chhering Mutup was required to accomplish an extremely difficult assignment in one of the forward locations of Jammu and Kashmir. Undeterred by extremely hostile conditions of altitude, high velocity winds, heavy snow and blizzards, Lance Havildar Chhering Mutup led his patrol gallantly from fold to fold and accomplish the assignment. In the process, he exhibited the most conspicuous courage, bold initiative and presence of mind.

Lance Havildar Chhering Mutup thus displayed the most conspicuous gallantry, cool courage and devotion to duty of an exceptionally high order.

No. 104-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of "KIRTI CHAKRA" to the undermentioned persons for acts of conspicuous gallantry :—

1. LIEUTENANT COLONEL SATYA SWAROOP SHARMA (IC-16529) ENGINEERS.

(Effective date of the award : 1st March, 1984)

Lieutenant Colonel Satya Swaroop Sharma of the Research and Development Establishment (Engineers), Dighi, Pune, volunteered for the 3rd Antarctica Expedition and was appointed Leader of the first wintering party of the Indian Research Station at Antarctica (Dakshin Gangotri) during the period 1st March, 1984 to 15th February, 1985. This was the first time then an Indian Expedition had been stationed in Antarctica throughout the winter with the temperature dropping to minus 50 degree celcius and blizzards blowing up to speeds of 300 kilometres per hour. The officer exhibited exceptional courage and bravery by personal example on three different occasions against the onslaught of the relentless blizzards which threatened the very existence of the habitat. Expeditionary repairs had to be undertaken to the damaged roof, air ducts and generator fuel lines while the blizzards was blowing. Realising that if the repairs were not effected immediately, the habitat would be unusable, Lieutenant Colonel Satya Swaroop Sharma undertook the task exposing himself to great danger, in total disregard to his own safety and achieved his objective of ensuring the safety of the camp by timely remedial action. In this process he received injuries and frost bite, yet he continued with determination, grit and ingenuity to overcome the ravages of the extreme climatic conditions.

Lieutenant Colonel Satya Swaroop Sharma thus displayed conspicuous courage, leadership, initiative and devotion to duty of a very high order.

2. CAPTAIN ANOOP KUMAR CHANDHOK (IC-38428), JAMMU AND KASHMIR RIFLES

(Effective date of the award : 21st February, 1985)

Undeterred by heavy odds, Captain Anoop Kumar Chandhok led his men in extremely high altitudes, in conditions of high velocity winds, heavy snow and blizzards and accomplished a difficult assignment in one of the forward areas in Jammu and Kashmir. In leading his patrol, the officer unmindful of his own safety exhibited rare courage and by personal example motivated his men to negotiate crevices, steep glacial slopes and ice wall. Despite being frost bitten he refused to be evacuated till the accomplishment of the task. Later his frost bitten leg had to be amputated.

Captain Anoop Kumar Chandhok thus displayed conspicuous courage, initiative, leadership and devotion to duty of a very high order.

No. 105-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of "SHAURYA CHAKRA" to the undermentioned persons for acts of gallantry :—

1. MAJOR MEHAR SINGH DAHIYA (IC-27788), J&K LIGHT INFANTRY.

(Effective date of the award : 21st February, 1985)

Major Mehar Singh Dahiya with a small patrol marched throughout the night over most difficult terrain at high altitude with the temperature touching minus 32 degree celcius, high velocity winds blowing to accomplish a difficult assignment by personal example, he successfully completed his mission in one of the forward areas in Jammu and Kashmir.

Major Mehar Singh Dahiya thus exhibited exemplary courage, resolute determination, inspiring leadership and devotion to duty of a high order.

2. 9922144 SEPOY NAWANG YONTAN, LADAKH SCOUTS.

(Effective date of the award : 21st February, 1985)

In the accomplishment of an extremely difficult assignment at high altitude and in conditions of high velocity winds, heavy snow and blizzards, sepoy Nawang Yontan exhibited courage and determination of a high order. Unmindful of his personal safety, he contributed significantly to the successful accomplishment of the assigned task.

Sepoy Nawang Yontan thus exhibited initiative, determination, courage and devotion to duty of a high order.

No. 106-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL" "ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

1. IC-77531 Subedar Abdul Qadir, Ladakh Scouts.
2. 9921719 Havildar Chhering Angchok, Ladakh Scouts.

S. N. AKANTAN
Dy. Secy. to the President

PLANNING COMMISSION

(SOCIO-ECONOMIC RESEARCH UNIT)

New Delhi, the 18th September 1985

RESOLUTION

No. O. 15011/1/82-SER.—Reference Planning Commission's Resolution No. Q. 15011/1/80-SER dated 6-8-1982 and the subsequent amendments thereto.

The Planning Commission has decided to reconstitute the Committee (Research Advisory Committee) set up in 1982 to advise it on research in areas relating to planning, with effect from 6-8-1985. Its composition and terms of reference are set out below :—

COMPOSITION

Chairman

1. Prof. S. Chakravarty, Planning Commission.

Members

2. Dr. C. H. Hanumantha Rao, Member, Planning Commission.
3. Dr. Raja J. Chelliah, Member, Planning Commission.
4. Dr. A. M. Khusro, Chairman, National Institute of Public Finance & Policy, Special Institutional Area, New Delhi-110067.
5. Dr. C. Rangarajan, Dy. Governor, Reserve Bank of India, Bombay.
6. Dr. Y. K. Alagh, Chairman, Bureau of Industrial Costs & Prices, Lok Nayak Bhavan, New Delhi-110003.
7. Dr. K. Krishnamurthy, Director, Institute of Economic Growth, University Enclave, Delhi-7.

8. Prof. Iqbal Narain, Member Secretary, Indian Council of Social Sciences Research, 35, Ferozeshah Road, New Delhi.
9. Dr. A. Bagchi, Director, National Institute of Public Finance & Policy, Special Institutional Area, New Delhi-110067.
10. Dr. A. Vaidyanathan, Professor, Madras Institute of Development Studies Adayar, Madras-600020.
11. Dr. Praveen Visaria, Director, Gujarat Institute of Area Planning, Preetam Raj Marg, Ahmedabad-380006.
12. Dr. S. P. Gupta, Adviser (Perspective Planning), Planning Commission.
13. Dr. P. C. Joshi, Adviser (International Economics), Planning Commission.
14. Dr. (Mrs.) R. Thamarajakshi, Adviser (Labour, Employment & Manpower), Planning Commission.
15. Dr. P. D. Mukherjee, Adviser (Financial Resources), Planning Commission.
16. Shri S. K. Govil, Consultant (Financial Resources), Planning Commission.

Member-Secretary

17. Dr. V. G. Bhatia, Adviser (Monetary Policy and Development), Planning Commission.

Terms of Reference

(i) To identify areas of research essential for planning, identify scholars and institutions for undertaking research in those areas, get appropriate research projects formulated and process them for approval for financing by the Planning Commission;

(ii) To examine research study proposals received from institutions/scholars on their own in areas relevant to planning and advise on their suitability for financing by the Planning Commission;

(iii) To advise on the research programmes that are various research institutions by recurring block grants from the grant from the Planning Commission i.e. those in the Institute of Planning Commission i.e. those in the Institute of Economic Growth, Delhi, Gokhale Institute of Politics & Economics, Pune and the Department of Economics, Bombay University, Bombay;

(iv) To advise on the training and research-cum-training programmes organized in different research institutions with financial assistance from the Planning Commission;

(v) To consider the research programme of the Institute of Applied Manpower Research with a view to dovetailing it with other research studies sponsored by the Planning Commission;

(vi) To advise on the suitability of the completed studies for publication with financial assistance from the Planning Commission;

(vii) To advise on the suitability of financing, partly or wholly, seminars which may be organized to discuss identified development programmes; and

(viii) To advise on any other matter relevant or incidental to the problems of the above functions.

2. The Committee may meet as often as may be decided by its Chairman. Normally, its meetings will be held at New Delhi.

3. The Socio-Economic Research Unit of the Planning Commission will function as Secretariat of the Committee.

4. The non-official members of the Committee will be entitled to get travel and daily allowances for attending the meetings of the Committee as admissible to Grade-I officers of the Government of India, which will be paid by the Planning Commission.

5. The Committee will have a tenure of three years ending 5-8-1988 unless otherwise notified by the Government.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution by communicated to all concerned and that it be published in the GAZETTE OF INDIA for general information.

K. C. AGARWAL, Director (Administration)

MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

New Delhi, the 25th September 1985

RESOLUTION

No. F. 4(1)/85-Hindi.—In partial modification of this Ministry's Resolution of even number dated the 4th September, 1985, Minister of State, Shri Sita Ram Kesari, will be the Vice-Chairman of Hindi Sahakar Samiti of the Ministry of Parliamentary Affairs vice Smt. Margaret Alva, Minister of State of Parliamentary Affairs.

D. R. TIWARI, Dy. Secy.

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 16th September 1985

RESOLUTION

No. J-13013/185-GEN.—On the expiry of its present term the Scientific Advisory Committee for the Ministry of Petroleum, has been reconstituted as under :—

Chairman

1. Prof. M. M. Sharma,
Professor of Chemicals Engineering,
University of Bombay,
Department of Chemical Technology,
Matunga Road, BOMBAY-400019.

Members

2. Dr. S. Varadarajan, Director General & Secretary to the Govt. of India, CSIR, NEW DELHI.
3. Dr. L. K. Doraiswamy, Director, National Chemical Laboratory, PUNE.
4. Shri K. N. Venkatasubramanian, OSD (R&D), Indian Petrochemicals Corporation Limited, BARODA.
5. Dr. I. B. Gulati, Director, Indian Institute of Petroleum, DEHRA DUN.
6. Dr. H. S. Rao, Managing Director, National Research Development Corpn. of India NEW DELHI.
7. Dr. A. V. Rama Rao, Director Regional Research Laboratory, HYDERABAD.
8. Mr. S. Ramaswamy, Dy. Director General, DGT, NEW DELHI.
9. Dr. J. N. Baruah, Director, Regional Research Laboratory, JORHAT.
10. Dr. A. P. Kudchadker, Dean (R&D), Indian Institute of Technology, POWAI, BOMBAY-400076.
11. Prof. Goverdhan Mehta, School of Chemistry University of Hyderabad, Central University P.O., Hyderabad-500134.
12. Dr. P. K. Mukhonadhyaia Director, Indian Oil Corporation (R&D Centre), FARIDABAD.
13. Shri P. K. Goel, General Manager, Petroleum Conservation Research Association NEW DELHI.
14. Dr. R. Krishnamurthy Manager, Engineers India Limited, NEW DELHI.

**15. Adviser (Chemicals),
Ministry of Chemicals & Fertilizers,
NEW DELHI.**

2. Secretary, Petroleum, Joint Secretaries and Advisers in the Ministry of Petroleum will be permanent invitees to the Committee Meetings. The Chairman may also invite any other person(s) to attend the Meeting of the Committee or to assist the Committee.

3. The terms of reference of the Committee will be as under :—

“To advise on policies relating to Science and Technology and measures to implement them to ensure optimum processing of Hydrocarbon Raw Material for use as fuels and Chemicals”

4. The term of the Committee will be for a period of 2 years from the date of issue of this Resolution. The Committee shall meet as often as necessary but atleast once a quarter, and will make suitable recommendations to the Government in the Ministry of Petroleum from time to time.

5. The Secretarial assistance required for the Committee will be provided by the Ministry of Petroleum.

6. No remuneration will be paid to the Members of the Committee. However the expenditure on TA/DA of the non-Official Members will be met by the Government of India. TA/DA of Government Officials/representatives of Central Public Sector Undertakings will be met by the concerned Department/Undertakings. The expenditure on the Committee will be borne by the Oil Industry Development Board.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territory Administrations, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats and the concerned Ministries and Departments of the Government of India.

T. N. R. RAO, Jt. Secy.

**(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL
DEVELOPMENT**

New Delhi, the 23rd September 1985

RESOLUTION

No. Ref[4(4)]83/Vol.IV.—Government of India had constituted Development Panel for Refractory Industry on 22nd September, 1983. The tenure of this Panel was for a period of 2 years. In order to enable the Panel to complete its report based on the recommendations of its various Sub-Committees, Government has decided to extend the tenure of this Panel upto 31st March, 1986.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. GANJWAL, Director (Admn.)

**MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)**

New Delhi, the 24th September 1985

ORDER

No. 27/9/85-CL.II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (i) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1955), the Central Government hereby authorise Shri Uttam Chand Nahata, Deputy Director, Inspection in the Department of Company Affairs for the purpose of said Section 209-A.

G. VENKATARAMANI, Under Secy.

**MINISTRY OF AGRI. & RURAL DEVELOPMENT
(DEPTT. OF AGRI. & COOPERATION)**

New Delhi, the 20th September 1985

No. 18-6/85-LD-I.—In exercise of the powers conferred by Article 15(2) of the Articles of Association of the Indian Dairy Corporation, the President is pleased to extend the term of the present Board of Directors of the Indian Dairy Corporation as indicated below till 30-6-1986 :—

Chairman

1. Dr. V. Kurien
Chairman,
Indian Dairy Corporation,
Baroda.

Members

2. Shri G. M. Jhala,
Managing Director,
Indian Dairy Corporation,
Baroda.
3. Shri V. H. Shah,
Managing Director,
Kaira Distt. Coop. Milk
Producer's Union Ltd.,
Anand.
4. Shri B. S. Sarao,
Additional Secretary,
Deptt. of Agri. & Coopn.,
New Delhi.
5. Shri M. Y. Priolkar,
Financial Adviser,
Deptt. of Agri. & Coopn.,
New Delhi.
6. Dr. O. N. Singh,
Animal Husbandry Commissioner,
Deptt. of Agri. & Coopn.,
New Delhi.
7. Dr. R. P. Aneja,
Secretary,
National Dairy Development Board,
Anand.

R. K. ROY CHOUDHURY, Director

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 24th September 1985

(ARCHAEOLOGY)

No. 32/10/84-M.—In pursuance of the Government of India, Archaeological Survey of India Resolution No. 32/10/84-M, dated 20-4-1985, the undermentioned persons elected by the Rajya Sabha/Lok Sabha, nominated by the learned institutions/State Governments/Union Territories/the Chairman from amongst recommendations received from Universities/the Government of India, as the case may be, have been appointed Members of the Central Advisory Board of Archaeology :—

I. Members elected by Parliament

- (i) Shri Ghulam Rasool Matto,
M.P. (Rajya Sabha),
13, Canning Lane,
New Delhi.
- (ii) Shri R. P. Gaekwad,
M.P. (Lok Sabha),
7, Safdarjung Lane,
New Delhi.
- (iii) Shri Zainul Basher,
M.P. (Lok Sabha),
68, South Avenue,
New Delhi.

II. Nominee of Indian History Congress

Prof. R. S. Sharma,
22, Cavalary Lines,
University of Delhi,
Delhi-110007.

III. Nominee of All India Oriental Conference

Prof. R. N. Dandekar,
General Secretary,
All India Oriental Conference,
Bhandarkar Oriental Research Institute,
Pune.

IV. Nominee of Asiatic Society

Dr. Chandan Roy Chaudhuri,
Asiatic Society,
Calcutta.

V. Nominee of the Archaeological Society of India

Dr. D. P. Agarwal,
Physical Research Laboratory,
Navrangpura,
Ahmedabad.

VI. Nominee of the Indian Council of Historical Research

Chairman,
Indian Council of Historical Research,
J-22, Hauz Khas,
New Delhi.

VII. Representatives of Universities of India

- (i) Dr. U. V. Singh,
Professor,
Department of Ancient Indian
History, Culture & Archaeology,
Kurukshetra University,
Kurukshetra.
- (ii) Dr. M. K. Dhavalikar,
Professor of Archaeology,
Deccan College,
Post Graduate and Research Institute,
Pune-411006.
- (iii) Dr. K. V. Raman,
Professor and Head,
Department of Ancient History & Archaeology,
University of Madras,
Madras-500005.
- (iv) Prof. K. K. Sinha,
Professor of Archaeology,
Banaras Hindu University,
Varanasi-221005.
- (v) Prof. Romila Thapar,
Centre for Historical Studies,
School of Social Sciences,
Jawaharlal Nehru University,
New Delhi.

VIII. Representatives of State Governments/Union Territories

- (i) Director of Archaeology & Museums,
Government of Andhra Pradesh,
Hyderabad.
- (ii) Shri G. N. Bhuyan,
Director of Archaeology & State Museum,
Government of Assam,
Gauhati.
- (iii) Dr. Sita Ram Roy,
Director of Archaeology & Museums,
Government of Bihar,
Patna.
- (iv) Director of Archaeology,
Government of Gujarat,
Ahmedabad.
- (v) Director of Archaeology,
Government of Haryana,
Chandigarh.
- (vi) Shri S. N. Joshi,
Director,
Language and Culture,
Government of Himachal Pradesh,
Simla.
- (vii) Shri Peerzada Ali Mohd.,
Director of Archives, Library and Museums,
Government of Jammu & Kashmir,
Srinagar.

- (viii) Director of Archaeology & Museums,
Government of Karnataka,
Bangalore.
- (ix) Dr. K. Maheswaran Nair,
Director of Archaeology,
Government of Kerala,
Trivandrum.
- (x) Director of Archaeology & Museums,
Government of Madhya Pradesh,
Bhopal.
- (xi) Shri A. P. Jamkhedkar,
Director of Archaeology & Museums,
Government of Maharashtra,
Bombay.
- (xii) Secretary,
Department of Education,
Government of Manipur,
Imphal.
- (xiii) Deputy Director of Public Instructions
Incharge Museums & Archives,
Government of Meghalaya,
Shillong.
- (xiv) Shri M. Alemchiba Ao,
Joint Director of Art & Culture,
Government of Nagaland,
Kohima.
- (xv) Shri D. S. Tripathy,
Director of Culture,
Government of Orissa,
Bhubaneswar.
- (xvi) Mrs. Geetika Kalha,
Director of Archaeology,
Government of Punjab,
Chandigarh.
- (xvii) Shri P. L. Chakarvarty,
Director of Archaeology & Museums,
Government of Rajasthan,
Jaipur.
- (xviii) Shri K. Tupden,
Secretary,
Department of Cultural Affairs,
Government of Sikkim,
Gangtok.
- (xix) Director of Archaeology,
Government of Tamil Nadu,
Madras.
- (xx) Secretary,
Department of Education,
Government of Tripura,
Agartala.
- (xxi) Shri D. P. Sinha,
Director of Cultural Affairs,
Government of Uttar Pradesh,
Lucknow.
- (xxii) Director of Archaeology,
Government of West Bengal,
33, Chittaranjan Avenue,
Calcutta.
- (xxiii) Shri R. S. Chari,
Secretary (Education),
Andaman & Nicobar Administration,
Port Blair.
- (xxiv) Dr. D. K. Bora,
Secretary, Research,
Government of Arunachal Pradesh,
Itanagar.
- (xxv) Shri K. D. Singh,
Deputy Conservator of Forest,
Dadra and Nagar Haveli Administration,
Silvassa.
- (xxvi) Director (Archaeology),
Delhi Administration,
Old St. Stephens College Building,
Kashmere Gate,
Delhi-110006.

- (xxvii) Shri V. V. Bhat,
Incharge of Archives, Archaeology & Museums,
Government of Goa, Daman & Diu,
Panaji.
- (xxviii) Chief Administrator,
Laksha Deep Administration,
Kawarathy.
- (xxix) Secretary,
Department of Education,
Government of Mizoram,
Aizwal.
- (xxx) Shri F. Cyril Antony,
Curator,
Pondicherry Museums,
Pondicherry.
- (xxxi) Shri V. N. Singh,
Director, Museum & Art Gallery,
Chandigarh Administration, Sector 10,
Chandigarh.

IX. *Scientists*

- (i) Dr. B. B. Lal,
47, Subash Road,
Dehradun.
- (ii) Dr. Vishnu Mittre,
Birbal Sahani Institute of Palaeobotany,
53, University Road,
Post Box No. 106,
Lucknow.

X. *Nominee of the Central Government*

- (i) Prof. K. S. Behera,
Art Historian,
Utkal University,
Bhubaneswar.
- (ii) Dr. S. B. Deo,
C/o Deccan College,
Post Graduate and Research Institute,
Pune-411006.
- (iii) Dr. Z. A. Desai,
Ephigraphist,
14, Khurshid Park,
Sarkhej Road,
Ahmedabad-383055.
- (iv) Prof. G. R. Sharma,
71, Dilkusha,
Allahabad.

- (v) Prof. S. Nagaraju,
Head of the Department of History and Archaeology,
Central University of Hyderabad,
"Golden Threshold", Nampalli 8th Road,
Hyderabad.

DR. M. S. NAGARAJA RAO
Director General

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 30th August 1985

RESOLUTION

No. E-11017/11/83-Hindi.—The following may be deemed to have been added as a Note Under Para 6 of this Ministry's Resolution No. E-11017/11/83-Hindi dated 17th November, 1984 (Published in the Part-I Section 1 of the Gazette of India vide G.S.R. 10 dated 9-3-1985.

"NOTE : (i) The Award years will be 1984-86, 1986-88, 1988-90 and so on.

- (ii) Books eligible for consideration during a particular Award year will be accepted upto the 30th June of the following financial years (Example-books eligible for consideration for the award-year 1984-86 will be accepted upto 30-6-1986). Books received thereafter will not be considered for award.

- (iii) Books written/translated/published during the related award year only will be accepted for consideration."

ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to all State Governments, Union Territories, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and all the Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED further that the Resolution be published in the : of India for general information.

B. M. GUPTA, Dy. Secy.

